Concept of Measurement →

Meaning of Measurement →

मापन एक ऐसा प्रत्यय है जो प्राचीन काल से दैनिक जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किया जाता है। जैसे, मीटर, लीटर, किग्राम, थर्मामीटर जैसे किसी मानक साधन की आवश्यकता होती है। परन्तु मानव जीवन के कुछ ऐसे क्षेत्र भी हैं जहाँ बिना किसी मानक साधन के भी मापन हो सकता है। शिक्षा मनोविज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में, मानव व्यक्तित्व के आधार पर व्यक्तियों को कुछ वर्गों में विभाजित करना, अथवा बुद्धि के आधार पर छात्रों को समूहों में बाँटना आदि भी मापन के उदाहरण हैं। दोनों में अन्तर केवल यथार्थता (Accuracy) का है। मापन के पहले उदाहरण में भौतिक चरों के मापन के मानक साधन उपलब्ध हैं, जिनके कारण प्राप्त परिणाम यथार्थ (Accurate) है, जबकि दूसरे उदाहरण में शैक्षिक, मनोविज्ञान तथा सामाजिक चरों का मापन किया जा रहा है, जिनके लिए मानक साधनों का अभाव रहता है। जिसके कारण प्राप्त परिणाम में त्रुटि की संभावना पाई जा सकती है।

आधुनिक युग का प्रत्येक वैज्ञानिक, मापन की क्रिया में अधिक से अधिक शुद्धता लाने के लिए प्रयासरत है चाहे उसका सम्बन्ध किसी भी विज्ञान से हो।

थॉर्नडाइक ने मापन के प्रत्यय को स्पष्ट करने के लिए कहा है कि- "यदि कोई वस्तु, किसी परिमाण में अस्तित्व में है तो उसका मापन हो सकता है।"

"Any thing that exist in amount can be measured"

अतः किसी वस्तु, प्राणी, अथवा क्रिया के किसी गुण को निश्चित शब्दों, चिन्हों अथवा संख्याओं में संक्षिप्त रूप में प्रकट किया जाता है।

→ एस. एस. स्टीवेन्स (S. S. Stevens) के अनुसार → "मापन किसी निश्चित स्वीकृत नियमों के अनुसार वस्तुओं को अंक प्रदान करने की प्रक्रिया है।" (Measurement is the process of assigning numbers of objects according to certain agreed rules.")

→ जी. सी. हेलमस्टेडटर (G. C. Helmstadter) के अनुसार → "मापन को किसी व्यक्ति या वस्तु में निहित किसी विशेषता के विस्तार का आंकिक वर्णन प्राप्त करने की प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया गया है।"
(Measurement has been defined as the process of obtaining a numerical discription of the extent to which a person or thing possesses some characteristics)

→ ब्रेडफील्ड तथा मोरेडॉक (Bradfield & moredock) के अनुसार → "मापन की प्रक्रिया में किसी घटना या तथ्य के विभिन्न आयामों के लिए प्रतीक निश्चित किए जाते हैं ताकि उस घटना या तथ्य के बारे में यथार्थ निश्चित किया जा सके।"
(Measurement is the process of assigning symbols of dimension of phenomena in order to characterise the status of a phenomenon as precisely as possible.")

→ जे. सी. नन्नली (J. C. Nunnally) के अनुसार → "वस्तुओं के लिए संख्या देने के नियमों का मापन कहते हैं, जिसके द्वारा वस्तुओं की विशेषताओं का परिणाम निर्धारित होता है।"
(Measurement – Consists of rules for assigning numbers to objects to represent – quantities of attributes).